SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

NAME:_____ **SUBJECT: HINDI**
CLASS 6 DIV :_____ **Ls.- निबंध लेखन**
Prepared By: DEEPIKA MEHRA **Given date -**
Prepared date -

- अपने विचारों और भावों को जब हम नियंत्रण ढंग से लिखते हैं वह निबंध के रूप में जाना जाता है
- किसी भी विषय पर अपने भावों के अनुसार हम लिपि बंद करते हैं वह निबंध लेखन कहा जाता है।
- नि + बंध यह दो शब्द को मिलाकर निबंध शब्द का निर्माण होता है।
- इसका अर्थ यह होता है कि भली प्रकार से बांधी गई रचना जो विचार पूर्वक लिखा होना निबंध कहलाता है।

निबंध तीन प्रकार के होते हैं। जिन्हे नीचे विस्तार से समझाया गया है।

1. **वर्णनात्मक** – संजीव या निर्जीव पदार्थ के बारे में जब हम निबंध लेखन करते हैं तब उसे वर्णनात्मक निबंध कहते हैं। यह निबंध लेखन स्थान , परिस्थिति , व्यक्ति आदि के आधार पर निबंध लिखा जाता है ।

2. **विवरणात्मक** – ऐतिहासिक , पौराणिक या फिर आकस्मिक घटनाओं पर जब हम निबंध लेखन करते हैं उसे विवरणात्मक निबंध कहते हैं । यह निबंध लेखन यात्रा , मैच , ऋतु आदि पर लिख सकते हैं।

3. **विचारात्मक निबंध**: जब गुण , दोष या धर्म आदि पर निबंध लेखन किया जाता है उसे विचारात्मक निबंध कहते हैं या निबंध में किसी भी प्रकार की देखी गई या सुनी गई बातों का वर्णन नहीं किया जाए तो विचारात्मक निबंध कहलाता है। इसमें केवल कल्पना और चिंतन शक्ति की गई बातें लिख सकते हैं।

जैसे- दिवाली पर निबंध

दीपावली का अर्थ: दिवाली जिसे “दीपावली” के नाम से भी जाना जाता है, भारत और दुनिया भर में रहने वाले हिंदुओं के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक है। ‘दीपावली’ संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है – दीप + आवली। ‘दीप’ का अर्थ होता है ‘दीपक’ तथा ‘आवली’ का अर्थ होता है ‘श्रृंखला’, जिसका मतलब हुआ दीपों की श्रृंखला या दीपों की पंक्ति। दीपावली का त्योहार कार्तिक मास के अमावस्या के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार दुनिया भर के लोगों द्वारा बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। हालांकि इसे हिंदू त्योहार माना जाता है, लेकिन विभिन्न समुदायों के लोग भी पटाखे और आतिशबाजी के जरिए इस उज्ज्वल त्योहार को मनाते हैं।

दीपावली त्योहार की तैयारी: दीपावली त्योहार की तैयारियां दिवाली से कई दिनों पहले ही आरंभ हो जाती है। दीपावली के कई दिनों पहले से ही लोग अपने घरों की साफ-सफाई करने में जुट जाते हैं क्योंकि ऐसी मान्यता है कि जो घर साफ-सुथरे होते हैं, उन घरों में दिवाली के दिन माँ लक्ष्मी विराजमान होती हैं और अपना आशीर्वाद प्रदान करके वहां सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी करती है। दिवाली के नजदीक आते ही लोग अपने घरों को दीपक और तरह-तरह के लाइट से सजाना शुरू कर देते हैं।

दिवाली में पटाखों का महत्व: दिवाली को “रोशनी का त्योहार” कहा जाता है। लोग मिट्टी के बने दीपक जलाते हैं और अपने घरों को विभिन्न रंगों और आकारों की रोशनी से सजाते हैं, जिसे देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो सकता है। बच्चों को पटाखे जलाना और विभिन्न तरह के आतिशबाजी जैसे फुलझड़ियां, रॉकेट, फव्वारे, चक्री आदि बहुत पसंद होते हैं।

दिवाली का इतिहास: हिंदुओं के मुताबिक, दिवाली के दिन ही भगवान राम 14 वर्षों के वनवास के बाद अपनी पत्नी सीता, भाई लक्ष्मण और उनके उत्साही भक्त हनुमान के साथ अयोध्या लौटे थे, अमावस्या की रात होने के कारण दिवाली के दिन काफी अंधेरा होता है, जिस वजह से उस दिन पुरे अयोध्या को दीपों और फूलों से श्री राम चंद्र के लिए सजाया गया था ताकि भगवान राम के आगमन में कोई परेशानी न हो, तब से लेकर आज तक इसे दीपों का त्योहार और अंधेरे पर प्रकाश की जीत के रूप में मनाया जाता है।

इस शुभ अवसर पर, बाजारों में गणेश जी, लक्ष्मी जी, राम जी आदि की मूर्तियों की खरीदारी की जाती है। बाजारों में खूब चहल पहल होती है। लोग इस अवसर पर नए कपड़े, बर्तन, मिठाइयां आदि खरीदते है। हिंदुओं द्वारा देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है क्योंकि व्यापारी दिवाली पर नई खाता बही की शुरुआत करते हैं। साथ ही, लोगों का मानना है कि यह खूबसूरत त्योहार सभी के लिए धन, समृद्धि और सफलता लाता है। लोग दिवाली के त्योहार के दौरान अपने परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ उपहारों का आदान-प्रदान करने के लिए तत्पर रहते हैं।

गर्मी की छुट्टी पर निबंध –

गर्मी की छुट्टियों आमतौर पर छात्रों के जीवन की सबसे खुशी भरी अवधि होती है। यह उनके लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि उन्हें कुछ समय अपने दैनिक स्कूल कार्यक्रमों से आराम करने का समय मिलता है। गर्मी की छुट्टियों की अवधि हर वर्ष गर्मियों के मौसम में 45 दिनों की कर दी गयी है। यह हर साल मई के महीने के तीसरे सप्ताह से शुरू होती है और जून महीने के आखिरी सप्ताह के आखिरी दिन समाप्त होती है।

इसका उद्देश्य ग्रीष्मकाल में गर्मी की छूटियों में गर्मी से आराम पाने के साथ-साथ और भी कई महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं, इससे छात्रों को अंतिम परीक्षा के बाद एक लंबा ब्रेक मिल जाता हैं। वार्षिक परीक्षाओं के खत्म होने के बाद छात्र थका हुए महसूस करते हैं और अध्ययन में रुचि नहीं लेते इसलिए, उन्हें अध्ययन के लंबे एक वर्ष बाद अपने स्वास्थ्य एवं व्यवहार्यता को फिर से सुधारने के लिए आराम की आवश्यकता होती है।

गर्मी की छुट्टियां हर साल मेरे लिए काफी खुशी का समय होता है और यह मुझे मनोरंजक छुट्टियां बिताने तथा प्रियजनों से मिलने के लिए पर्याप्त समय देता है। गर्मियों की छुट्टियों का आनंद लेने के पश्चात मैं 1 जून को अपने शहर वापस लौटूंगा। मेरे माता-पिता ने गर्मियों की छुट्टी के दौरान हमारे विदेश दौरे की भी योजना बनाई है। हम एक सप्ताह तक आराम करेंगे और फिर 8 जून को दो सप्ताह के लिए सिंगापुर चले जाएंगे। हम 22 जून को वापस आ जाएंगे और छुट्टियों के होमवर्क को गंभीरता से शुरू करेंगे।